भारत - अल्सल्वाडोर संबंध

राजनीतिक :

ग्वाटेमाला स्थित भारतीय दूतावास को समवर्ती रूप से अल्सल्वाडोर की भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है। अल्सलवाडोर में भारत का एक मानद कांसुल जनरल है। अल्सल्वाडोर ने 2008 में नई दिल्ली में एक रेजींडेंट राजदूत के साथ अपना दूतावास खोला। भारत और अल्सल्वाडोर के बीच घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

भारत की ओर से द्विपक्षीय यात्राएं :

सितंबर, 2004 : राज्य मंत्री (ई ए) श्री राव इंद्रजीत सिंह

अगस्त, 2012 : पहले विदेश कार्यालय परामर्श के लिए सचिव (पश्चिम) एवं संयुक्त सचिव (एल ए सी)

जून, 2013 : माननीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा तीरथ

जुलाई 2015 : सैन सल्वाडोर में लोकतंत्र समुदाय की 8वीं मंत्रि स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए विदेश राज्य मंत्री श्री वी के सिंह।

अल्सल्वाडोर की ओर से द्विपक्षीय यात्राएं :

फरवरी 2004 : विदेश मंत्री श्री मारिया युगेनिया ब्रिजुएला डी अविला

मार्च, 2007 : विदेश मंत्री फ्रांसिस्को ई लैनेज।

दिसंबर, 2007 : सल्वाडोर की उप विदेश मंत्री सुश्री मारगरीटा एस्कोबार।

जनवरी, 2008 : सी आई आई साझेदारी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए उप राष्ट्रपति एना विल्मा डि एस्कोबार

जून, 2008 : दूसरी भारत - एस आई सी ए विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए उप विदेश मंत्री एडुआर्डो कैलिक्स

फरवरी 2009 : बेंगलुरू में सी आई आई द्वारा आयोजित भारत - लैटिन अमरीका एवं कैरेबियन गोष्ठी में भाग लेने के लिए उप राष्ट्रपति एना विल्मा डि एस्कोबार

मार्च, 2011 : विदेश मंत्री हुगो मार्टिनेज

नवंबर 2011 : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उप मंत्री ने एक सप्ताह के लिए भारत का दौरा किया तथा मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डा. डी. पूरनदेश्वरी तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री डा. अश्विनी कुमार से मुलाकात की।

दिसंबर, 2014 : उप विदेश मंत्री श्री कार्लोस कास्टानेडा ने दूसरे भारत - अल सल्वाडोर विदेश कार्यालय परामर्श के लिए।

एन ए एम : सितंबर, 2011 : विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर (पी के) ने गुट निरपेक्ष आंदोलन के 50वें वर्षगांठ समारोह के दौरान अतिरिक्त समय में बेलग्रेड में विदेश मामलों, एकीकरण एवं आर्थिक मामलों के उप मंत्री श्री कार्लोस कास्टानेडा से मुलाकात की।

भारत से व्यापार शिष्टमंडल :

मार्च, 2014 : कॉटन टेक्सटाइल निर्यात संवर्धन परिषद (टेक्सप्रोसिल); प्लास्टिक निर्यात संवर्धन परिषद (प्लेक्सकोंसिल)।

अगस्त, 2014 : फार्मास्युटिकल निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल)

जुलाई 2015 : भारतीय सिंथेटिक और रेयन टेक्सटाइल निर्यात संवर्धन परिषद (एस आर टी ई पी सी) ने पहली बार भारतीय सिंथेटिक, रेयन और ब्लेंडेड टेक्सटाइल की अनन्य प्रदर्शनी का आयोजन किया।

अल सल्वाडोर से व्यापार और अन्य शिष्टमंडल :

अप्रैल, 2006 : अल्सल्वाडोर के दो टूर ऑपरेटरों ने नई दिल्ली में एल ए सी क्षेत्र के लिए आयोजित पर्यटन कार्यशाला में भाग लिया।

जून, 2007 : फार्मेक्सिल द्वारा प्रायोजित सल्वाडोर के प्रतिनिधियों ने हैदराबाद में फार्मा - एल ए सी सम्मेलन में भाग लिया।

मार्च, 2008 : सल्वाडोर के तीन प्रतिनिधियों ने हैदराबाद में आयोजित इंडियासाफ्ट सम्मेलन में भाग लिया।

द्विपक्षीय करार :

- भारत के विदेश मंत्रालय तथा अल्सल्वाडोर के विदेश संपर्क मंत्रालय के बीच विदेश कार्यालय परामर्श के लिए एम ओ यू पर फरवरी, 2004 में हस्ताक्षर किया गया।

- राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्टों के लिए वीजा से छूट के लिए एक करार पर जून, 2008 में हस्ताक्षर किया गया।

- सैन सल्वाडोर में एक आई टी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। तदनुसार आई टी केन्द्र स्थापित किया गया तथा एन आई आई टी के माध्यम से भारत सरकार की सहायता से दो साल तक सफलतापूर्वक काम किया। अल्सल्वाडोर सरकार के अनुरोध के आधार पर इसकी अवधि एक और साल के लिए बढ़ाई गई तथा पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक पूरा हो जाने के बाद आई टी केंद्र को जून, 2011 में अल्सल्वाडोर के प्राधिकारियों को सौंप दिया गया।

- अगस्त 2012 में हस्ताक्षरित विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर करार।

व्यापार एवं आर्थिक संबंध :
भारत - अल्सल्वाडोर व्यापार (मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष (अप्रैल - मार्च)	अल्सल्वाडोर से आयात	अल्सल्वाडोर को निर्यात	कुल व्यापार	वृद्धि (प्रतिशत में)
2010-2011	5.40	24.06	29.46	57.27
2011-2012	8.27	37.52	45.79	55.44
2012-2013	8.64	56.06	64.71	41.31
2013-2014	7.99	65.11	73.10	12.97
2014-2015	10.27	61.48	71.76	-1.84
2015-2016 (अप्रैल - सितंबर)	3.91	36.31		

(स्रोत : वाणिज्य विभाग - भारत)

भारत द्वारा निर्यात की प्रमुख वस्तुएं : फार्मास्युटिकल, फैब्रिक, जैविक रसायन, प्लास्टिक तथा प्लास्टिक की वस्तुएं।

भारत द्वारा आयात की प्रमुख वस्तुएं : लकड़ी तथा लकड़ी के उत्पाद, लोहा एवं इस्पात आदि।

भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी**)** कार्यक्रम **:** भारत सरकार ने वर्ष 2015-16 के लिए अल्सल्वाडोर को 35 आई टी ई सी स्लॉटों की पेशकश की है। आई टी ई सी के तहत प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी) तथा भूमध्य रेखीय फलों, नारियल एवं आम की विशेषज्ञ डा. अनीता करूण ने अल्सल्वाडोर का दौरा किया। डा. करूण ने जुलाई - अगस्त, 2013 के दौरान अल्सल्वाडोर के राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र में काम किया।

2013 में अपनी यात्रा के दौरान महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा तीरथ ने भारत के अध्ययन दौरे के लिए अल्सल्वाडोर की उभरती युवा महिला नेताओं के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से 10 छात्रवृत्तियों की पेशकश की। फरवरी - मार्च 2014 से चयनित उम्मीदवारों का अध्ययन दौरा शुरू हुआ।

द्विपक्षीय सहयोग : इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी विभाग से एक चार सदस्यीय भारतीय शिष्टमंडल ने फरवरी - मार्च, 2013 में अल्सल्वाडोर का दौरा किया तथा अल्सल्वाडोर के शिक्षा मंत्रालय की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी द्वारा आयोजित आईटी कार्यशाला में भाग लिया। सहयोग के तीन विस्तृत क्षेत्रों अर्थात (i) क्षमता निर्माण; (ii) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण; और (iii) आई टी सी ए में भारत सरकार द्वारा स्थापित आईटी केंद्र का उन्नयन की पहचान की गई। इस शिष्टमंडल ने आई टी सी ए में आईटी प्रशिक्षण केंद्र के संकाय सदस्यों तथा छात्रों से भी बातचीत की।

ऋण सहायता : मार्च, 2007 में विदेश मंत्री श्री लैनेज की यात्रा के दौरान भारत सरकार द्वारा 15 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता की घोषणा की गई। जून, 2008 में, भारत - एस आई सी ए विदेश मंत्री स्तरीय वार्ता बैठक में अल्सल्वाडोर को 10 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण सहायता की पेशकश की गई। कर्ज लेने पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण अल्सल्वाडोर इन

दोनों ऋण सहायता का लाभ उठाने में समर्थ नहीं हुआ है। अल्सल्वाडोर सरकार स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए इस ऋण का उपयोग करने पर विचार कर रही है जिसमें भारत से दवाएं खरीदना शामिल है अथवा यह महिला क्षमता निर्माण परियोजना स्थापित करने के लिए इसका उपयोग करना चाहती है।

दान :

- भारत सरकार ने 1998 के हरिकेन मिच के पीड़ितों के लिए राहत आपूर्ति के रूप में अल सल्वाडोर को 5 लाख रुपए मूल्य की दवाओं तथा चिकित्सा सामग्रियों को दान में दिया।
- भारत सरकार द्वारा अगस्त, 2005 में 10,000 अमरीकी डालर मूल्य की दवाएं तथा नवंबर, 2005 में 18 बजाज थ्री-व्हीलर भी दान में दिया गया।
- नवंबर, 2009 में, अल्सल्वाडोर में 'ईडा' चक्रवात की वजह से जान-माल का भारी नुकसान हुआ। भारत सरकार ने अल्सल्वाडोर को मानवीय सहायता के रूप में 2,50,000 अमरीकी डालर की नकद राशि दान में दी।
- भारत सरकार ने जानलेवा ट्रापिकल डिप्रेशन 12-ई के आलोक में दिसबर, 2011 में अल्सल्वाडोर को मानवीय सहायता के रूप में 1,00,000 अमरीकी डालर की नकद राशि दान में दी, जिससे वर्ष, 2011 के उत्तरार्ध में अल्सल्वाडोर में जान-माल तथा अवसंरचना को भारी क्षति पहुंची थी।

सांस्कृतिक :

अक्टूबर, 2005 : भारत से सांस्कृतिक मंडलियों ने अल्सल्वाडोर का दौरा किया है तथा अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

गोवा के गिरजाघरों की प्रदर्शनी 'वेल्हा गोवा' सैन सल्वाडोर में आयोजित की गई।

'फ्रेंड्स ऑफ इंडिया' नाम से एक संघ बनाया गया है।

सितंबर, 2011 : डा. सोनल मानसिंह के नेतृत्व में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित 8 सदस्यीय नृत्य मंडली ने नोबेल पुरस्कार विजेता डा. रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती के अवसर पर "नायिका" का प्रदर्शन किया।

श्रीमती सुतपा तालुकदार के नेतृत्व में एक अन्य 15 सदस्यीय ओडिसी नृत्य मंडली ने सबसे प्रतिष्ठित नेशनल थिएटर में अक्टूबर, 2011 में 'श्यामा' का प्रदर्शन का किया।

फरवरी - मार्च 2013 सैन सल्वाडोर में एक भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें भारत की 15 ब्लाकबस्टर फिल्में दिखाई गईं।

जनवरी, 2015 : आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक राजस्थानी नृत्य मंडली ने सैन सल्वाडोर में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

भारतीय समुदाय : अल्सल्वाडोर में शायद ही कोई भारतीय समुदाय का है तथा भारतीयों की संख्या एक दर्जन से भी कम है। इनमें से कुछ मदर टेरेसा मिशन की सन्यासिनी हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, ग्वाटेमाला की वेबसाइट :
http://www.indemguatemala.org
भारतीय दूतावास, ग्वाटेमाला का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/EmbajadaIndiaGuatemala
भारतीय दूतावास, ग्वाटेमाला का फेसबुक पेज :
https://twitter.com/IndianEmbassyGT

***

जनवरी, 2016